K–1089

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DMA–101

Diploma in Medical Astrology (DMA)
Ist Year Examination Dec., 2023

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सृष्टि एवं ब्रह्माण्ड के अन्तः सम्बन्ध पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

2. ज्योतिष एवं आयुर्वेद चिकित्सा के पारस्परिक सम्बन्ध पर निबन्ध लिखिए।

3. चिकित्सा ज्योतिष का प्रयोजन बताते हुए विस्तृत परिचय प्रदान कीजिए।

4. पूर्व जन्म परम्परा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. कर्मफल विचार पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. क्रियमाण कर्म से क्या अभिप्राय है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. ग्रहों के मानव पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

3. असाध्य रोगों का प्रतिपादन कीजिए।

4. प्रारब्ध से क्या अभिप्राय है ? टिप्पणी लिखिए।

5. रोगी के परीक्षण के ज्योतिषीय उपकरणों का वर्णन कीजिए।

6. रोग विचार की प्राचीन पद्धतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. भाग्य फल पर टिप्पणी लिखिए।

8. क्या जीवन में घटित घटनाओं का पूर्व विश्लेषण सम्भव है ? टिप्पणी लिखिए।

****